

कार्यकारी सार

मुख्य तथ्य			
कम्पनी के गठन की तिथि	7 जनवरी 1981		
निगमित कार्यालय	भुवनेश्वर, ओडिशा		
कम्पनी की प्रमुख इकाईयों का विवरण			
संयंत्र	स्थान	2016-17 को समाप्त पिछले पांच वर्षों के दौरान औसत उत्पादन/संस्थापित क्षमता	2016-17 को समाप्त पिछले पांच वर्षों के दौरान औसत उत्पादन
खान (लाख टन में)	दामनजोड़ी, ओडिशा	67.20	61.23
रिफाइनरी (लाख टन में)	दामनजोड़ी, ओडिशा	22.40	19.26
स्मेल्टर संयंत्र (लाख टन में)	अनुगुल, ओडिशा	4.60	3.62
कैप्टिव विद्युत संयंत्र (मिलियन इकाई में)	अनुगुल, ओडिशा	10,512.00	6,356.70

मुख्य निष्कर्ष

एल्यूमिना रिफाइनरी

2012-13 से 2016-17 तक की समयावधि के दौरान एल्यूमिना हाइड्रेट का वास्तविक उत्पादन 107.35 लाख टन के लक्ष्य के विरुद्ध 96.31 लाख टन था जिसके परिणामस्वरूप 11.04 लाख टन की कमी हुई। रिफाइनरी में एल्यूमिना हाइड्रेट के उत्पादन में कमी का प्रमुख रूप से खनन तथा सम्बद्ध कार्यकलाप के कम कार्य-निष्पादन की वजह से थी।

(पैरा संख्या 2.1)

कम्पनी, खान में कम उत्पादन की वजह से रिफाइनरी की ओर से बॉक्साइट के अपेक्षित स्टॉक स्तर का अनुरक्षण करने में असमर्थ थी। इसने कम्पनी को रिफाइनरी में समान सिलिका वाले बॉक्साइट भरने के लिए बॉक्साइट का सम्मिश्रण करने में बाधा उत्पन्न हुई जिसके फलस्वरूप 2012-13 से 2015-16 तक की समयावधि के दौरान रिफाइनरी में 1.46 लाख टन कास्टिक सोडा की अधिक खपत हुई जिसके लिए कम्पनी को ₹426.27 करोड़ का अतिरिक्त व्यय करना पड़ा था।

(पैरा संख्या 2.1.4)

मई 2011 से रिफाइनरी में बढ़े हुए मृदा प्रबंधन करने के लिए उच्च दर डिकैन्टर तथा गहरे कोन बॉशर जो लगभग ₹75.45 करोड़ की वार्षिक बचत कर सकते थे, के संस्थापन की आवश्यकता का अनुभव होने के बावजूद, कम्पनी ने फरवरी 2016 में अर्थात् 57 माह के पश्चात प्रोसेसाबिलिटी स्टडी के लिए कार्य आदेश दिया था।

(पैरा संख्या 2.2)

स्मेल्टर संयंत्र

स्मेल्टर संयंत्र का क्षमता उपयोग प्रमुख रूप से कैप्टिव विद्युत संयंत्र से पर्याप्त विद्युत की अनुपलब्धता की वजह से संस्थापित क्षमता से कम था। कम्पनी स्मेल्टर संयंत्र हेतु अपेक्षित विद्युत के सृजन के लिए कैप्टिव विद्युत संयंत्र को कोयले की आपूर्ति के लिए भारत सरकार द्वारा आवंटित कोयला ब्लॉक का विकास करने में सक्षम नहीं थी। स्मेल्टर संयंत्र में 2012-13 से 2016-17 तक की समयावधि के दौरान 4.93 लाख टन एल्यूमिनियम उत्पादन में कमी थी जिसके लिए कम्पनी ने मूल्य संवर्धित उत्पाद (एल्यूमिनियम धातु) की बिक्री करने की बजाय मध्यवर्ती उत्पाद (कैल्साइनड एल्यूमिना) की बिक्री करने की वजह से ₹1,086.63 करोड़ की राशि का वृद्धि संबंधी योगदान अर्जित करने का अवसर गंवा दिया।

(पैरा संख्या 3.1)

कम्पनी ने राख में अतिशुष्क फ्लू गैस तथा बिना जले कार्बन की हानि की वजह से 2012-13 से 2016-17 तक की समयावधि के दौरान कैप्टिव विद्युत संयंत्र में कोयले की अधिक खपत के कारण ₹326.62 करोड़ का अतिरिक्त व्यय वहन करना पड़ा।

(पैरा संख्या 3.4)

क्योंकि कम्पनी ने लदान केन्द्र पर कोयले के संयुक्त नमूना चयन की सुविधा का लाभ नहीं लिया था, अतः कम्पनी कोयले की गुणवत्ता में गिरावट का पता नहीं लगा सकी जिसके फलस्वरूप 2012-13 से 2016-17 तक की समयावधि के दौरान खरीदे गए कोयले के कारण ₹239.23 करोड़ का परिहार्य व्यय हुआ।

(पैरा संख्या 3.5)

पर्यावरणीय मुद्दे

कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से परिवहन करने की बजाय केन्द्रीय तथा उत्तर ब्लॉक खान में क्रशर तक डंपरों द्वारा दक्षिण ब्लॉक खान में उत्खनन किए गए बॉकसाइट का परिवहन दक्षिण ब्लॉक खान के परिचालन हेतु दी गई पर्यावरणीय मंजूरी की शर्तों के अनुरूप नहीं था।

(पैरा संख्या 4.1)

2012-13 से 2016-17 तक की समयावधि के दौरान लाल मिट्टी का निस्सरण जो 6,723 टन प्रति दिन से 8,741 टन प्रति दिन के बीच था, तथा लाल मिट्टी तालाब बहिः स्राव जो 5,425 किलोलीटर (केएल) प्रतिदिन से 6,854 किलोलीटर प्रति दिन के बीच था, का निस्सरण ओडिशा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट अनुसार 6,087 टन प्रतिदिन तथा 5,200 किलोलीटर प्रतिदिन की तदनुरूपी सीमाओं से लगातार अधिक था।

(पैरा संख्या 4.2)

सिफारिशें:

1. प्रबंधन हैवी अर्थ मूविंग मशीन पर कुशल परिचालकों की स्थिति एवं तैनाती की निरंतर निगरानी करें ताकि, भविष्य में खान से उत्पादन प्रभावित न हो।
2. शेष उत्पादन पूर्व-ड्रिलिंग गतिविधि को शीघ्र पूर्ण किया जायें ताकि वार्षिक और मासिक खान उत्पादन योजना तैयार करने से पूर्व बॉक्साइट की गुणवत्ता तथा मात्रा का उचित प्रकार से निर्धारण किया जा सके।
3. ऊपरी मृदा एवं लेटराइट ऊपरी भार को हटाने का कार्य आई.बी.एम द्वारा अनुमोदित खनन योजना के अनुसार किया जाए। बैकलॉग के निपटान से गुणवत्ता नियंत्रण तथा बॉक्साइट के सम्मिश्रण हेतु अधिक विकल्प प्राप्त करने में सहायक होगा।
4. प्रबंधन को रिफाइनरी में भरण से पूर्व बॉक्साइट की गुणवत्ता में अंतरों को कम करने के लिए भंडार में बॉक्साइट के पर्याप्त स्तर बनाए रखना चाहिए।
5. आवंटित कोयला ब्लॉक को कैप्टिव विद्युत संयंत्र को कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यथाशीघ्र विकसित किया जाए।